04/08/2016 Issue 056 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेह्ली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेएड़े हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगेई मेह्णु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्न दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9418721336

CC

अक्ल आई पर चेरे आई

बबिता, ग्रां चौकी

यक ग्रां थिउ। तेस ग्रां कुई सुआ ना पढ़ातेथ। तेस ग्रां दुई धणि जुएली थिए। तेन्के टाइ गभ्रुर थिए, दुई कुई त यक कुआ थिआ। तेन्हि अपु बोडी कुई मीनाक्षी चौथि तकर पढ़ाई त तसे ब्याह कइ छड़ा। तढ़िया मठड़ी कुई सपना त कुआ सचिन पढ़ुंण लगो थिए।

यक रोज तेन्के ई-बोउ गी बिशो थिए त दुहे गभ्रुर दौड़ देन्ते एई गे। सचिन बोलु, ‘बोउआ-बोउआ! अउं पास भोई गा’। तोउं सपना बोलु, ‘बोउआ! अउं बी पास भोई गई’। तोउं ईए कना जे खिरक कइ अपु ईया जे बोलुण लगी ‘ईया, पता असा ना, अउं अपु क्लास अन्तर फास्ट अओ असी’। ईये-बोउए दुहि जेई शबाशी दिती! ई बोलुण लगी, ‘अच्छा! अउं तुसी जे कि खाण जे आण्ती?’ ईं बोलु कइ ई अन्तर घेई गई। बोउ, कुआ जे बोलुण लगा, ‘अच्छा कोईया, अब तोउं छठि क्लास अन्तर दखला नेण असा। तोउ जे कितबी बी अण्हि असी’। सचिन बोता, ‘आ बोउआ, अब्बल बैग बी अण्ह असा।’ सपना अपु बोउ जे बोलुण लगी, ‘बोउआ, यक बैग मोउं जे बी अण्ह’। बोउ बोलुण लगा, ‘कुईए, अब तु बैग केआं की कती’। सपना हैरान भोई गई त अपु बोउ पुछ्ण लगी, ‘किस बोउआ, मोउं कि कितबी हथ अन्तर नी कइ स्कूल घेण ना?’ बोउ बोलुण लगा- ‘ना कुईए, अब तु स्कूल ना घेन्ती। सचिन अकेला स्कूल घेन्ता’। सपना ‘पर बोउआ, अउं त क्लास अन्तर फास्ट अओ असी। भऊ त सिर्फ पास भो असा, फिर बी तेस स्कूल लघांण लगो असे, त मोउं किस नेई लघांण लगो? ऊ-ऊ अउं बी स्कूल घेन्ती।’ सपना रोलअछि कइ बोलु। बोउ बोलुण लगा, ‘कुईए जिद्द ना कते। तेईं त फिर बी पंजमी तकर पढ़ू। अपु देई मीनाक्षी हेर! से त असी सिर्फ चौथि तकर पढ़ाई त से आज अपु गी सुख जोई बिशो असी। गा घेई कइ अपु ईया जोई कम कर।’ सपना नराज भोई कइ घेई गई। बोउए सचिन जे बोलु, ‘चल कोईआ, अस बजार घेन्ते त तोउ जे बैग त सपना जे गुड़िया आणते’।

ओ मीनाक्षी धाणि अराख पी कइ गी आ त मीनाक्षी जे बोलुण लगा, ‘मीनाक्षी, ओ मीनाक्षी, कोठि असी? मीनाक्षी जबाव दिता ‘इठि असी, अउं आई।’ मीनाक्षी धाणि फिर हक दिती, ‘बाहरी आई! ढुक लगो असी, रोठि दे!’ मीनाक्षी अपु धाणि धे रोठि दिती त बोलुण लगी, ‘शुणते ना, मोउं दवा आण्हण जे रुपेई लौते’। मीनाक्षी धाणि लेहरी कइ बोलुण लगा, ‘ओ मोउं केईं फालतु पैसे नेई, तोउ जे दवा अणता रेहंता।’ मीनाक्षी डरोरी बोलुण लगी, ‘तुस सोब पैसे अराख जोई मुकांते, मेईं मांगे त ...।’ तसे धाणि बोलुण लगा, ‘ओइ अराख पींता त अपु पैसी के पींता। तें की घेन्तु? सुआ भाषण देण लगो असी। बोती अराख पींता। दवा लुओ त अपफ पैसे कमा। पर तु पैसे कीं कमांती, अनपढ़ जो असी। सुनीले जुएली हेर! मेहने 15 सौ कमांती। उओ गा अठिया, मोउं उंघिण दे!’ मीनाक्षी अपफ कोसण लगी, ‘हे भगवान! मोउं कि करुण, को घेण? रोज शुण-शुण कइ तंग भोई गो असी। अउं त ज्यदा पढ़ो-लिखो बी नेई कि कम कइ सकूं। पर अब पछताई कइ की भुन्तु, जपल चड़ी बग चुग गई।’ तसे लिएबु ठटि शुणी बिशो थिआ। तेन बोलु, ‘भणिए पछता नऊ। बोते अक्ल अई पर चेरे अई। तुस बी कमाई सकते’। मीनाक्षी बोलु ‘पर भैया कीं? अउं त सिर्फ चौथि पढ़ो असी।’ लिएबु अपु भणि जे बोलुण लगा, ‘सरकारे हें ग्रां यक शिक्षा केन्द्र खोलो असा, जेठि तुस अगर पढ़ सकते। होर पढ़ण जोई साते-साते इ कमी के ट्रेनिग बी देन्ते जेसे बेलि तुं कमाई बी भुन्ती। अस जे बोते यक कम दुई काज।’ मीनाक्षी बोलुण लगी, ‘तुस ठीक बोते। अउं बी एन्ती मोउं तठि घिन गा।’ लिएबु बोलुण लगा। ‘अ त ठीक असु भणिए। पर तुस अपु बोउ बी समझाण दिए ताकि से तुं मठड़ी भेण जोई बी ईं ना करीयल पर खरे पढ़ाल-लिखाल।’

मीनाक्षी बोलुण लगी, 'ठीक असु, अउं शुई घेई कइ अपु बोउ समझांती।' लिएबु बोलुण लगा 'अच्छा भणिए, अउं घेन्ता में बोक पुठ ध्यान दे।'

मीनाक्षी अपु बोउए गी गई त तठि सपना दुवार केईं खेलण लगो थी। सपना अपु देई काई त हक देण लगी, 'देई एई गई, देई एई गई। ईया हेर देई अओ असी।' ई बोलुण लगी, 'ओई कुईए, कीं असी? मीनाक्षी बोलु 'ठीक असी, ईया।' बोउए अपु कुई मगरी पुठ हथ रख कइ बोलु, 'कुईए तें चेहरा कि उतरो ईं लगो असा। बोल की बोक असी? सोब ठीक असु ना?' मीनाक्षी बोलुण लगी, 'सोब ठीक असु, पर यक कमि असी।' बोउए बोलु, 'कुईए, सोब किछ त दुतो असु तेन्धे।' मीनाक्षी बोलु 'से सोब त ठीक असु बोउआ। पर तुसी पढ़ाई-लिखाई केआं अउं दुर रखी।' बोउए बोलु 'पर कुईए, असे की जरुरत असी? मीनाक्षी बोलु 'असेरी त सोभि केआं ज्यदा जरुरत असी। अगर तुसी अउं पढ़ाओ-लिखाओ भुन्तीथ त आज मोउं जे बोक शुणी अओ असी से ना शुणी एन्तीथ।' बोउए बोलु, 'अब की भोई सकतु?' मीनाक्षी बोलु 'मोउं त में लिएबु नोईं बथ हराली, पर अउं चाहंती कि तुस सपना जोई ईं ना करे।' बोउए बोलु 'ठीक असु, कुईए। अउं अस शुईए स्कूल लघांता।' सपना सोब बोक शुणु त खुश भोई कइ उछड़ती-उछड़ती बोलुण लगी 'अउं शुई स्कूल घेन्ती! अउं स्कूल घेन्ती!'

शरारत छूट गई

Source: Internet

तनि सुआ शरारती कुवा थिआ। रोज ग्रां बाड़े शिकायत घिन एन्तेथ। संजु कुतर घोड़े बइ दीती, मीना अन्टी कुकड़ बाहरी लई छड़े, चड़ी-चखुरु सोब गुलेल बइ घायल कइ छड़े। मन्नू खिलौने टोड़ छड़े। रोज तसे शिकायती बइ तसे ई-बोउ परिशान भोई गो थिए। चैन जोई बिशुण जी तेन्हि वश अन्तर थिउ नऊ।

यक रोज लहाड़ पुठ बिश कइ से पढ़ुण लगो थिआ। पढ़ते-पढ़ते तेस उंघ एई गई। सुपने से यक दरिओउ केईं पुजा त तेठि केनि तेस ढाका दी छड़ा। से पोअण अन्तर डुबुण लगा। इए-ओ हेरु त कोई ना थिआ। से हक देण लगा, बचाए! बचाए! लेयार दी-दी से बेहोश भोई गा। तिखेईं सुआ चड़ी-चखुर तठि कठे भोई गे। तेन्हि सोभि मी कइ से बाहर कीढ़ छड़ा। तसे पेठ केआं पोअणी भीं कुढ़ु त से सलीयेर छड़ा। थोड़ी देर बाद तेस होश एई गई। तोता, मैना, चड़ी, घुगी, अलण तेन्हि सोभि तस जे शिकायत कइ कि बोलुण लगे 'हेर तनि! होरी बुरु करणे बाड़े कीं हाल भुन्ता। तेईं हमेशा चड़ी-चखुरु त जीव सोब मारे, घायल किये त कैद कर कइ तेन्हि दुख दिता। फिर बी असी सोभि तें जान बचाई।' 'मोउं माफ करे दोस्तो।' तनि झठ खड़ीगा त माफी मगण लगा। माफी मगते-मगते तसे मगरी शर्मे बइ उण कुशी गई। तोता बोलु 'तउ इ की माफी मेंती। तउ त जंगले राजा शेरे अदालत अन्तर हंठुण एन्तू।' शेरे नउ शुणते त तनि धुप फट गई। तनि जोरी-जोरी लियार दीती, बचाए! मोउं शेर खाई छता।' तनि हक शुण कइ तसे ई-बोउ दौड़ दी कइ लहाड़ एई गे। 'की भु कोईआ! की भु?' तसे ईये डर कइ बोलु। तनि अपु ईया जे बोलुण लगा, 'ईया अउं अब कदी शरारत ना कता। चड़ी-चखुरु बी कदी गुलेल बइ ना मारता। मोउं माफ करे।' तनि अपु ईये कियाड़ी शची गा। तनि बोउए बोलु 'शबाश कोईआ! तु त सोभि केआं अब्बल कुआ बण गा।' तोउं टहो जेईं हसण लगे।

यक मोटे मेहणु अपु दोस्ते जे बोता... बबीता, चौकी

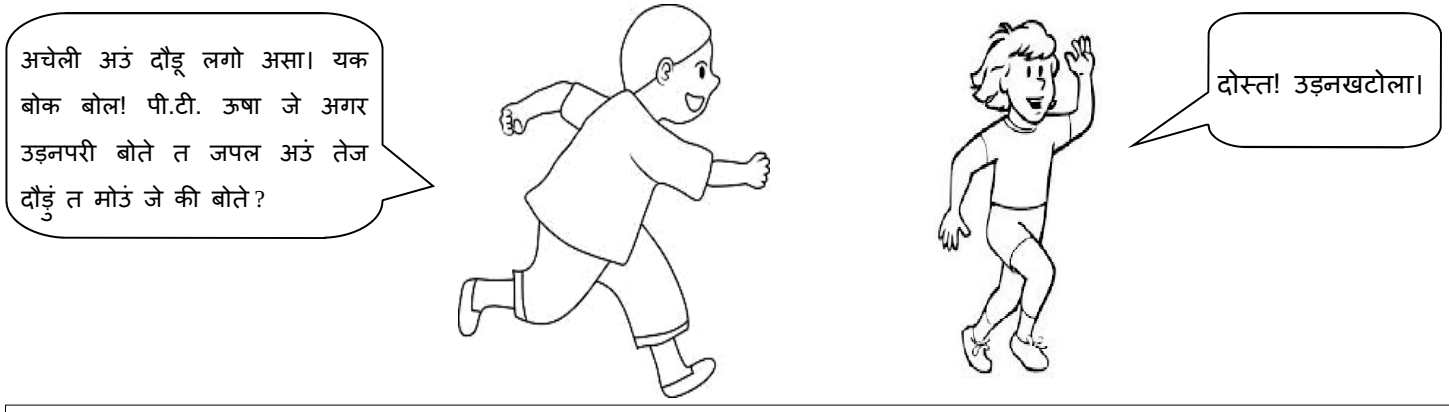

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एडस बीमारी इन्सान जोई यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि केसे बी एडस एई घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता।... एडस मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआं 10 साल तकर कोई लक्ष्ण नजर न एन्ते।